सफलता की कहानी

किसान का नाम	– बैजु हेम्ब्रम
पिता का नाम	– स्व0 चैतन हेम्ब्रम
ग्राम	– चिरूगोड़ा
पंचायत	– मौदाशोली
प्रखण्ड	– धालभूमगढ़
मोबाइल नं0	– 9631475540

बैजु हेम्ब्रम धालभूमगढ़ प्रखण्ड के प्रगतिशील कृषक के नाम से जाने जाते हैं। इनके पिताजी स्व0 चैतन हेम्ब्रम के पास 18 बीघा पुश्तैनी जमीन है। बैजु हेम्ब्रम दो भाई में से छोटे है, एक बहन है। बैजु हेम्ब्रम नवीं तक पढ़ाई किये हैं। इनके दो बच्चा है एक बेटा, एक बेटी। दोनों बच्चे कॉलेज की पढ़ाई कर रहें हैं।

बैजु हेम्ब्रम के पिता अचानक विकलांग हो जाने के कारण घर परिवार का सारा जिम्मेदारी बैजु और इनके भाई के उपर आ गया। बैजु अपने भाई के साथ मिलकर 7.00 बीघा जमीन में धान की खेती कर अपने परिवार का भरण–पोषण में लग गये। अन्य समय में बैजु हेम्ब्रम घर का खर्चा चलाने के लिए अन्यत्र मजदूरी कर लेते। बैजु हेम्ब्रम अपने परिवार के आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने घर पर ही होम टेलरिंग का व्यवसाय करने लगे। अपने साथ गांव के अन्य 13 महिलाओं को अपने व्यवसाय से जोड़े एवं उन्हें स्वरोजगार के प्रति प्रोत्साहित किये। बैजु हेम्ब्रम लगभग डेढ़ बीघा में आधुनिक तकनीक से सब्जी की खेती कर रहे हैं। जिला उद्यान विभाग से सेडनेट प्राप्त कर उसी में करेला, टमाटर, मिर्च, शिमला मिर्च एवं गाजर की खेती कर रहें है। सब्जी का उत्पादन सालों भर हो रहा है। करेला का 1700 पौधा, बैगन का 700 पौधा, शिमला मिर्च का 400 पौधा लगाये थे। सिर्फ करेला की खेती से 50 हजार रूपये का आमदनी हुआ है। लगभग 30 किलोग्राम शिमला मिर्च का उत्पादन हुआ है। बैजु हेम्ब्रम को सब्जी उत्पादन से सलाना 2 लाख से अधिक का मुनाफा हो रहा है। बैजु हेम्ब्रम ने बताया उनके पास नर्सरी में उन्नत किस्म का सब्जी का पौधा खुद विकसित करते है एवं अपने सेटनेट पर स्वयं खेती करते है। नर्सरी में उत्पादित विभिन्न सब्जी के पौधा बेचकर सालाना 1 लाख से अधिक कमातें हैं। आत्मा पूर्वी सिंहभूम के पदाधिकारी एवं प्रखण्ड स्तरीय प्रसार कर्मी से लगातार जुड़कर बैजु हेम्ब्रम को प्रोत्साहन मिलते रहा है। समय–समय पर इनके प्रक्षेत्रों का निरीक्षण कर उन्हें जरूरी सुझाव देते है जिससे बैजु हेम्ब्रम आज एक सफल किसान के रूप में जाने–पहचाने जाते है।

कृषि विभाग एवं आत्मा के सहयोग के अलावा बैजु हेम्ब्रम स्वयं की पुँजी लगभग 01 लाख रूपये खेती–बाड़ी में लगायें है जो उनके सब्जी की खेती के आय को प्रमाणित करता है। बैजु हेम्ब्रम अपने साथ गांव के 5–6 किसानों को भी समेकित कृषि के लिए प्रोत्साहित किये है।